(b) The scheme includes seed production programme, area expansion, strengthening of research and post harvest handling and marketing of vegetables in the State. On the suggestion of Govemment of India, the State Government of Kerala has submitted the revised proposal to National Horticulture Board to avail the assistance for setting up of cold storages and post harvest management facilities at the cost of Rs. 368.50 lakhs. National Horticulture Board has examined the proposal and sought some clarifications from the State Government. Reply from State Govemment is awaited.

उत्तर प्रदेश में यूरिया की कमी होना

3992. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी**: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: (क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में यूरिया के संरक्षित भंडार में कमी होने से कृषि के व्यस्ततम समय में बारह जिलों में यूरिया की भारी कमी का सामना किया जा रहा है;

(ख) क्या इस कमी को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 75000 मी. टन यूरिया के भंडारण का 103.15 लाख रुपए का कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और

(ग) यदि हां, तो इस प्रस्ताव को कब तक स्वीकृति दी जाएगी और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

मध्य प्रदेश और उड़ीसा में कृषि उत्पादन की प्रवृत्ति

3993. **श्री दिलीप सिंह जूदेव**: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश और उड़ीसा में कृषि उत्पादन की वर्तमान प्रवृति क्या है;

(ख) क्या उक्त राज्यों में किसान कृषि उत्पादन करने के छिए आत्मनिर्भर हैं; और क्या सरकार द्वारा उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं;

(ग) क्या सरकार इन राज्यों में कृषि उत्पादन में वृद्धि करने हेतु कदम उठाने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो नई कृषि निति के अंतर्गत इन राज्यों के किसानों को किस सीमा तक सहायता दी जा सकती है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) मध्य प्रदेश और उड़ीसा राज्यों में प्रमुख कृषि फसलों की उत्पादन-प्रवृति के ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं। (नीचे देकिए)

(ख) कृषि और सहकारिता विभाग अनेक केन्द्रीय और केन्द्रीय प्रायोजित स्कीमें कार्यान्वित कर रहा है जिनके अंतर्गत किसानों को विभिन्न सुविधाएं दी जाती हैं जिनमें आदानों तथा ऋण की आपूर्ति, सहकारी समितियां, विपणन-समर्थन और यंत्रीकरण शमिल हैं ताकि किसानों को कृषि में आत्म निर्भर बनाया जा सके।

(ग) जी हां, नौवीं पंचवर्षीय योजना के लिए नए उपाय प्रस्तावित हैं।

(घ) नई कृषि निति को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

विवरण

मध्य प्रदेश और उड़ीसी राज्यों में प्रमुख फसलों की कृषि उत्पादन संबंधी प्रवृत्ति

(उत्पादन हजार मीटरी टन)

वर्ष		खाद्यान्न		तिलहन		कपास*		गन्ना
	म.प्र.	उड़ीसा	म.प्र.	उड़ीसा	म.प्र.	उड़ीसा	म.प्र.	उड़ीसा
1988-89	15664.7	6959.7	2347.7	860.5	267.7	8.5	1644.2	3200.2
1989-90	14846.7	7973.4	2364.4	866.5	411.8	10.9	1371.6	3325
1990-91	17997.7	6942.3	3191.4	940.9	396.5	8.7	1391.6	3549
1991-92	15508.1	8273	2979.8	858	245.8	7.2	1646.3	2744
1992-93	16890.1	5909.1	3583.4	240.8	352.6	3.7	1324.6	754.2
1993-94	19127.2	7289.8	4735.1	294.3	420.3	3.2	1084	781
1994-95	19428.3	6898.8	3856.5	243.9	345.7	9.7	1377	1198.6
1995-96	18072.8	6802	4949.6	243.2	423.7	21.8	1914.1	1594.2
1996-97	19563.2	4834.4	4997.6	177.2	437.2	28	2211	1419.2

*उत्पादन (प्रत्यैक 170 ग्राम की इजार गाठे)